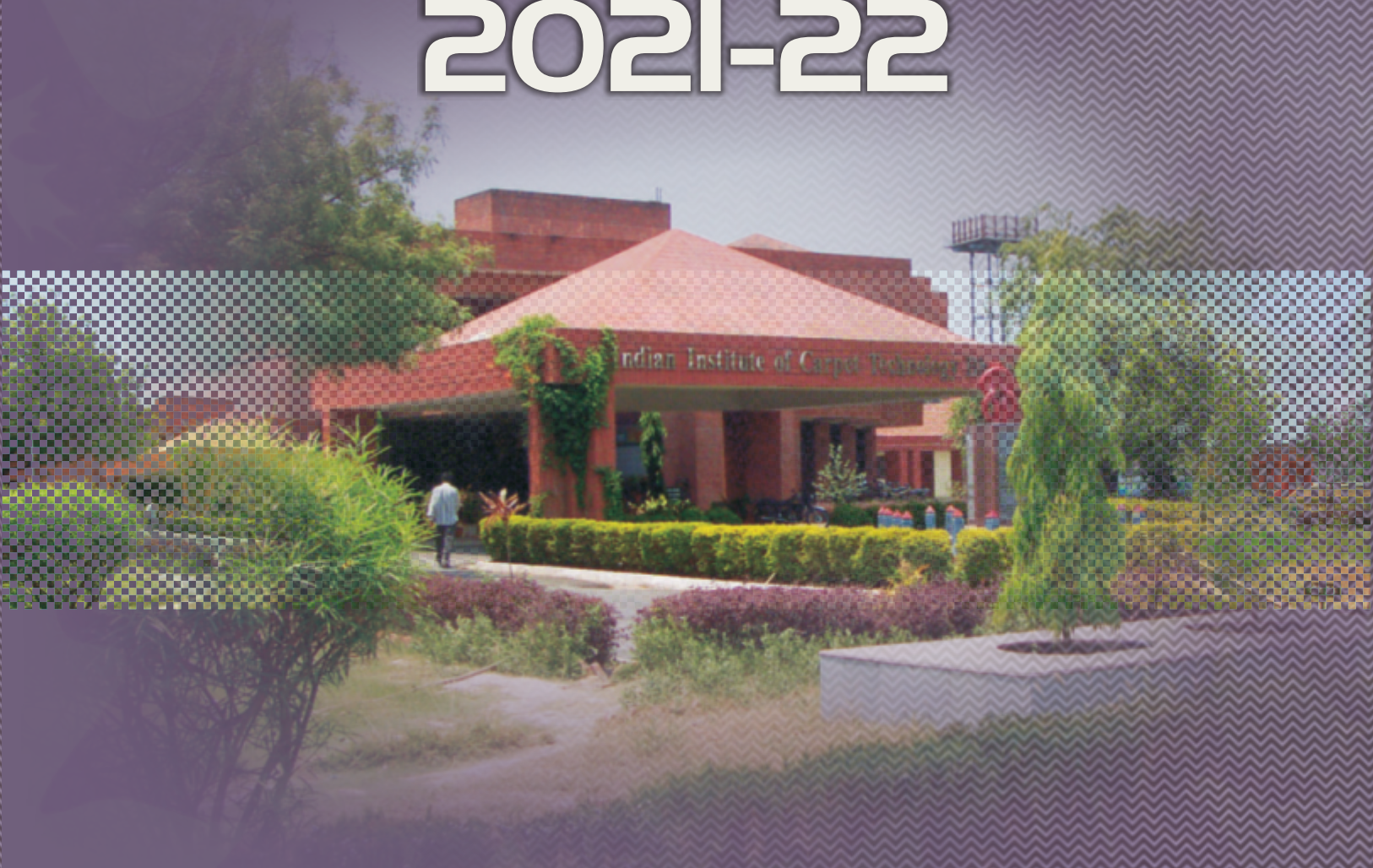




वार्षिक विवरणी Annual Report 2021-22





वसुधैव कुटुम्बकम्

ONE EARTH • ONE FAMILY • ONE FUTURE



भारतीय
indian handicrafts
हस्तशिल्प
continuing tradition



Indian Institute of Carpet Technology



शांतमनु, भा.प्र.से.
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
Shantmanu, I.A.S.
Development Commissioner (Handicrafts)



भारत सरकार
वस्त्र मंत्रालय
पश्चिमी खण्ड-7, रामाकृष्णापुरम्,
नई दिल्ली-110 066
Government of India
Ministry of Textiles
West Block-7, R.K. Puram,
New Delhi-110 066

संस्थान के अध्यक्ष का संदेश

मुझे भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान की वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 प्रस्तुत करते हुए बहुत प्रसन्नता हो रही है।

मानव संसाधन विकास, डिज़ाइन बनाने की कला एवं विकास, अनुसंधान एवं विकास तथा उद्योग को तकनीकी सहयोग, इन चारों क्षेत्रों में आई० आई० सी० टी० का कार्य साराहनीय रहा है।

संस्थान कई महत्वपूर्ण परियोजनाओं में भी शामिल है जैसे एल० ई० डी० आधारित सोलर लाईट वितरण और कालीन लूम का वितरण जो कि प्रशिक्षित शिल्पकारों/बुनकरों को दिया जा रहा है, जिससे कालीन उद्योग के लिए मानव संसाधन उत्पन्न किए जा सकें।

संस्थान अपने सभी क्षेत्रों में कुशल, विश्वसनीय और पेशेवर तरीके से सेवाएँ प्रदान करने में भी एक महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है, जैसा कि एन० ए०बी०एल० से आई० आई० सी० टी० और टेक्सटाइल इंस्टीट्यूट (मेंबेस्टर) से बी० टेक० पाठ्यक्रम की निरंतर मान्यता से स्पष्ट है। इससे आई० आई० सी० टी० की ख्याति शैक्षिक क्षेत्र में स्थापित हुई है। एन० बी० ए० द्वारा संस्था के बी० टेक पाठ्यक्रम का प्रत्यायन (accreditation) प्रक्रियाधीन है। आशा है कि आई० आई० सी० टी० इस प्रामाणिकता में भी अग्रसर रहेगा।

मुझे यह जानकर हर्ष हो रहा है कि आई० आई० सी० टी० की प्रशिक्षण प्रयोगशाला को अंतर्राष्ट्रीय स्तर के अनुरूप विकसित करने का कार्य चल रहा है जो कि जल्द ही पूरा कर लिया जाएगा, जिससे कालीन निर्यातकों को लाभ मिलेगा।

मैं, आई० आई० सी० टी० संस्थान के अध्यक्ष के रूप में, संस्थान की चौतरफा उन्नति हेतु अथक प्रयास करूँगा।

मुझे पूर्ण विश्वास है कि आई० आई० सी० टी० न केवल गुणवत्ता के मानकों को बनाए रखेगा बल्कि उन्नति के मार्ग पर भी अग्रसर रहेगा।

मैं आशा करता हूँ कि आई० आई० सी० टी० कालीन उद्योग को परिमाणोंमुख एवं प्रगतिशील बनाने में योगदान देता रहेगा।

शांतमनु

(शांतमनु, भा. प्रशा.से.)
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं
अध्यक्ष, भा० का० प्रौ० सं०





सोहन कुमार झा (आई.ओ.एफ.एस.)

Sohan Kr. Jha (I.O.F.S.)



वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प)
कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)
वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार,
पश्चिमी खण्ड-७, रामाकृष्णापुरम,
नई दिल्ली-११० ०६६

Sr. Director (Handicrafts)
Office of the Development Commissioner (Handicrafts)
Ministry of Textiles, Government of India.
West Block-7, R. K. Puram, New Delhi-110 066
Phone : 26178640 Fax No. : 26163085
Website : <http://handicrafts.nic.in>

संस्थान के उपाध्यक्ष का संदेश

मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान, भदोही वार्षिक रिपोर्ट 2021-22 में वर्णित अपने सभी चारों क्षेत्रों में निरंतर अच्छा प्रदर्शन कर रहा है।

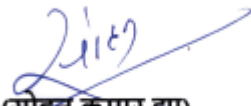
यह गर्व का विषय है कि संस्थान अपने सभी स्टैकहोल्डर द्वारा प्रदत्त सेवाओं का भरपूर उपयोग कर रहे हैं।

मैं संस्थान के विकास में लगातार सहयोग करने के लिए संस्थान के सभी सदस्यों द्वारा किए गए प्रयासों से पूर्णतया आश्वस्त हूँ।

आई० आई० सी० टी० ने कालीन और इससे संबंधित उद्योगों के विकास के लिए देश में गुणवत्तापूर्ण शिक्षा और विभिन्न प्रशिक्षण कार्यक्रम संचालित करने हेतु सराहनीय प्रयास किए हैं। मुझे यह जानकर प्रसन्नता हो रही है कि संस्थान के छात्रों का राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर की अग्रणी कंपनियों में चयन हुआ है।

इसी प्रकार अन्य क्षेत्रों में भी कालीन उद्योग के विकास में आई० आई० सी० टी० का सक्रिय एवं मित्रवत सहयोग बधाई योग्य है।

मैं यह भी कामना करता हूँ कि आई० आई० सी० टी० इसी प्रकार निरंतर प्रयास करते हुए शिक्षा का केंद्र बने।


(सोहन कुमार झा)
वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प) एवं
उपाध्यक्ष, भा०का० प्रौ० सं०



निदेशक
भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान
विकास आयुक्त (हस्तशिल्प),
वस्त्र मंत्रालय भारत सरकार के अधीन
अ.क.प्राविधिक विश्वविद्यालय द्वारा संबद्ध एवं
आभातशिप, भारत सरकार द्वारा अनुमोदित

Director,
Indian Institute of Carpet Technology
Under the aegis of the
Development Commissioner (Handicrafts),
Ministry of Textiles, Govt. of India
Affiliated with A. K. Technical University
& Approved by AICTE, Govt. of India



वीरेन्द्र कुमार, निदेशक
Virendra Kumar, Director

संदेश.....



निदेशक के डेस्क से संदेश

वर्ष 2021-22 के लिए आईआईसीटी, भदोही की वार्षिक रिपोर्ट प्रस्तुत करते हुए मुझे अत्यन्त प्रसन्नता हो रही है। चुनौतियों के बावजूद संस्थान छात्रों के सम्पूर्ण विकास के प्रति प्रतिबद्ध है, जो कि उन्हे योग्यता हासिल करने और उत्कृष्टता प्राप्त करने में सक्षम बनाता है। उत्कृष्ट बुनियादी ढाँचे, समर्पित संकाय और प्रभावी प्रबन्धन के साथ संस्थान प्रत्येक छात्र को सलाह देने और उनपर ध्यान केन्द्रित करने में सक्षम रहा है।

संस्थान अपने सभी चार विभागों अर्थात् मानव संसाधन एवं विकास (एचआरडी), डिजाइन निर्माण विकास (डी.सी.डी.), अनुसंधान एवं विकास (आर.एण्ड डी.) और उद्योगों के लिए तकनीकी सहायता सेवा (टीएसआई) में अपने प्रदर्शन के उच्च स्तर को बनाए रखने में सफल रहा है। संस्थान नवीन विचारों के साथ कालीन डिजाइन, उन्नत परीक्षण सुविधाओं और अत्याधुनिक अनुसंधान द्वारा कालीन उद्योग के विविध क्षेत्रों में गुणवत्तापूर्ण सेवाएं प्रदान कर रहा है। मौजूदा लैब सुविधाओं के उन्नयन एवं इको लैब की स्थापना का कार्य प्रगति पर है जो प्रतिस्पर्धा को और बढ़ाएगा एवं कालीन निर्माताओं और निर्यातकों को बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराएगा।

मुझे यकीन है कि आईआईसीटी, कालीन और कपड़ा उद्योग की सेवा के लिए लगातार प्रयासरत रहेगा और उपरोक्त सभी विभागों में उत्कृष्टता का केन्द्र बनेगा।

संस्थान को विकास आयुक्त हस्तशिल्प, अध्यक्ष आईआईसीटी, भदोही, संस्थान की कार्यकारिणी के सदस्यगण, एकेटीएस, एआईसीटी, जिला प्रशासन, कालीन निर्माता संघ, निर्यातक बन्धु एवं अन्य सम्बन्धित का सतत् समर्थन मिलता रहा है। जिसके लिये मैं आप सभी का अत्यन्त आभारी हूँ।

वीरेन्द्र कुमार,
निदेशक, आई. आई. सी. टी.

विषय सूची : Contents

	पृष्ठ संख्या	Page Number	
भा0का0प्रौ0सं0: एक दृष्टि में	01	44	IICT- At A Glance
दृष्टि, मिशन एवं गुणवत्तानीति	02	45	Vision, Mission and Quality Policy
संगठनात्मक ढांचा	03	46	Organizational Structure
कार्यकारिणी समिति	04	47	Executive Committee of IICT
अधिकारियों/कर्मचारियों की सूची	05	48	Officers/ Employees List
संगोष्ठी/सहभागिता/कार्यशालाएं /सम्मेलन/प्रकाशन	06	49	Seminar, Participation, Workshops, Conferences, Publication
संस्थान के संविभाग	07-14	50-58	Institute's portfolio
परियोजनाएँ	15	59	Projects
प्लेसमेंट अपडेट	16	60	Placement Updates
महत्वपूर्ण आयोजन	17	61	Important Events
संस्थान में पधारे आगन्तुक	18-19	62-64	Visits to the institute
लेखा परीक्षित विवरण और लेखापरीक्षक की रिपोर्ट 2020-21	20-39	65-84	Audited Statement of Accounts and Auditor's Report 2020-21



वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा भारतीय कालीन प्रौद्योगिकी संस्थान (आई०आई०सी०टी०) की स्थापना सन् 1998 में 'संस्था पंजीकरण अधिनियम 1860' के अन्तर्गत एक सोसाइटी के रूप में पंजीकृत कराकर की गयी।

संस्थान ने 2001 में 20 सीटों के साथ बी० टेक० पाठ्यक्रम संचालित कर अपना कार्य प्रारम्भ किया, जो कि अब 60 सीटों हो चुकी है। आई०आई०सी०टी० सम्पूर्ण एशिया में अपने प्रकार का एकमात्र संस्थान है। आई०आई०सी०टी० की स्थापना वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार द्वारा कालीन एवं संबंधित उद्योगों को सभी अपेक्षित तकनीकी योगदान प्रदान करने हेतु की गई है। संस्थान ने छात्रों द्वारा उद्योग जगत की लम्बे अवधि से चली आ रही तकनीकी विशेषज्ञों की मांग पूरा करने का हर सम्भव प्रयास किया है। संस्थान उद्योगों की अपेक्षित आवश्यकतानुसार, प्राप्त अनुभव के अनुरूप, छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान कर रहा है। संस्थान से निकले अन्य प्रशिक्षित छात्रों ने भी उद्योग जगत में अहम भूमिका निभाते हुये उचित स्थान बनाया है। संस्थान की प्रयोगशालायें "राष्ट्रीय परीक्षण और अंशशोधन प्रयोगशाला प्रत्यायन बोर्ड" द्वारा प्रमाणित हैं। संस्थान के परीक्षण प्रमाण पत्र की मान्यता विश्व के तमाम देशों में है। संस्थान का बी० टेक० पाठ्यक्रम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद, नई दिल्ली द्वारा मान्यता प्राप्त एवं डा० ए. पी. जे. अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय, लखनऊ से सम्बंध है।

परिसर एवं सुविधाएँ

आई०आई०सी०टी० विश्व में भारत के कालीन नगरी के नाम से प्रसिद्ध भदोही में स्थापित है। भारत सरकार ने भदोही एवं उसके सन्निकट जिलों के प्रसिद्ध कालीन क्षेत्र में इस संस्थान की स्थापना उन्हें हर सम्भव तकनीकी सहयोग प्रदान करने के उद्देश्य से की है। भदोही पावन नगरी वाराणसी से लगभग 45 किलोमीटर तथा प्रयागराज से लगभग 75 किलोमीटर और मीरजापुर से 30 किलोमीटर दूरी पर स्थित है। आई०आई०सी०टी० परिसर भदोही रेलवे स्टेशन से लगभग 4 किमी की दूरी पर भदोही कस्बे के वाह्यांचल में मुख्य सड़क, चौरी रोड, पर स्थित है। परिसर पूर्णतया प्रदूषण रहित एवं अध्ययन और शोध के लिए एक शांतिमय वातावरण में है।

संस्थान परिसर 10 एकड़ से अधिक भू क्षेत्र पर फैला हुआ है, जिसके सुरुचिपूर्ण कलात्मक प्रशासनिक भवन में प्रशिक्षण कक्ष, प्रयोगशालायें, सम्मेलन कक्ष, पुस्तकालय, परिकल्पकक्ष, कार्यशाला, संगणक कक्ष, अध्यापक कक्ष तथा संग्रहालय स्थित हैं। परिसर में ही छात्र एवं छात्राओं के लिए अलग-अलग छात्रावास, कर्मचारियों के लिए आवासीय व्यवस्था तथा सांस्कृतिक कार्यक्रमों हेतु खुले वातावरण में रंगशाला, खेलकूद के मैदान, 24 घंटे बिजली व जेनरेटर, गहरी बोरेल युक्त जलापूर्ति प्रणाली सहित सभी प्रकार की सुविधाओं से सुसज्जित है। संस्थान हेतु उत्तर प्रदेश सरकार द्वारा भदोही के पिपरिस नामक स्थान पर 16.5 एकड़ भूमि अधिग्रहित कर ली गयी है। जिसमें कार्यशाला शेड, डोरमेट्री और स्टाफ क्वार्टर के अलावा प्रशिक्षण केन्द्र जैसी कुठ बुनियादी सुविधाएं उपलब्ध कराई गई हैं।

दृष्टि

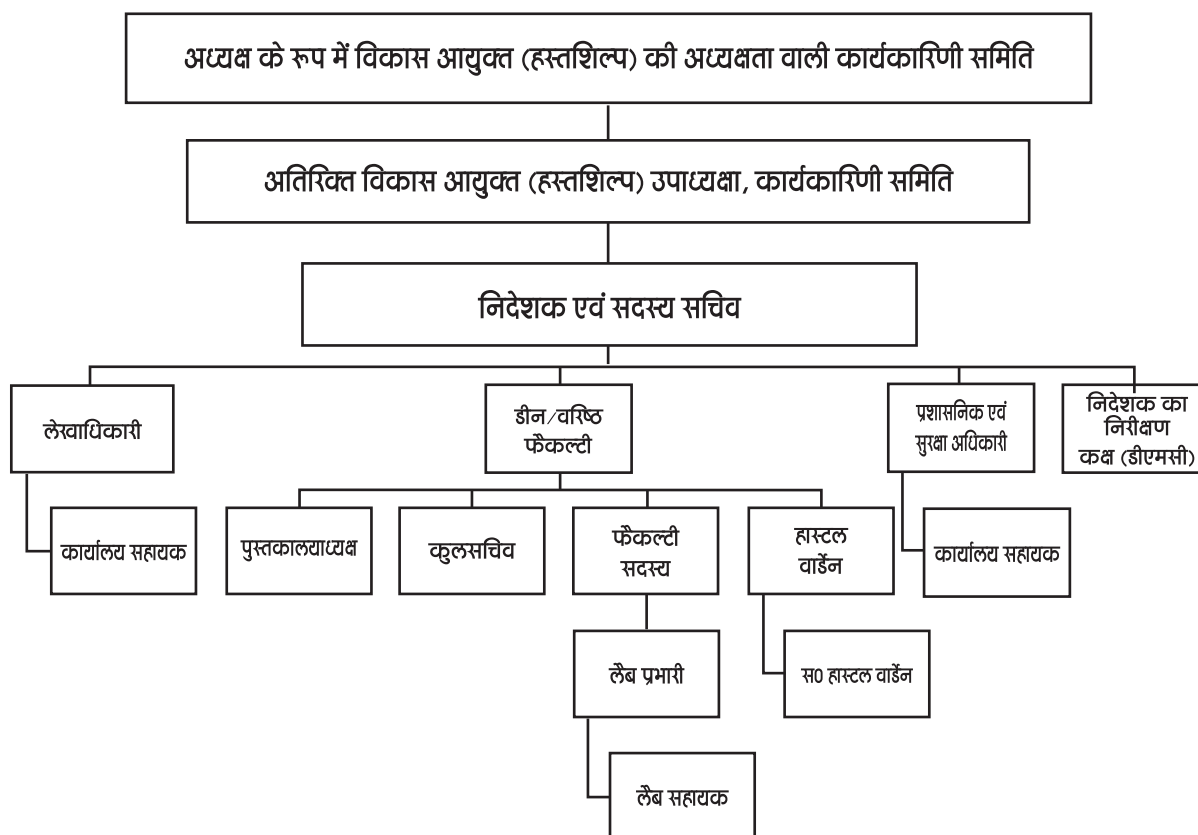
- कालीन, वस्त्र एवं तकनीकी शिक्षा के प्रासंगिक क्षेत्रों को सहायता देने, एवं क्षेत्र के विकास में योगदान कर संस्थान को उत्कृष्टता का केंद्र बनाना।

मिशन

- भारत की सांस्कृतिक विविधता एवं सहयोग की भावना से परिपूर्ण मानव संसाधन को विकसित करना जो कि कालीन, वस्त्र एवं सम्बन्धित तकनीकी शिक्षा की पूर्ण जानकारी रखते हों।
- कालीन, वस्त्र एवं उससे सम्बन्धित विज्ञान एवं तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में अत्याधुनिक अनुसंधान एवं विकास को बढ़ावा देना।
- कालीन और संबन्धित उद्योगों को तकनीकी सहायता प्रदान करते हुए गहन संपर्क द्वारा डिजाइन विकास और प्रयोगशाला परीक्षण की सुविधा उपलब्ध कराना
- कालीन और संबन्धित क्षेत्रों में उद्यमियों को विकसित करना।
- मानव संसाधन विकास एवं कौशल विकास कार्यक्रमों के द्वारा ग्रामीण क्षेत्रों का गुणवत्तापूर्ण उन्नयन और विकास।

गुणवत्ता नीति

- छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करना जो उन्हें हितधारकों की इच्छित आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए सक्षम हों।
- उद्योग और अन्य सभी हितधारकों को सभी विभागों में समय पर और संतोषजनक सेवाएं प्रदान करना।
- मानकों की आवश्यकताओं के अनुपालन के माध्यम से दिन-प्रतिदिन गुणवत्ता प्रबंधन प्रणाली में सुधार करना



1. श्री शान्तमनु, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं अध्यक्ष, आई. आई. सी. टी., कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली - 110066.
2. उपाध्यक्ष, आई0आई0सी0टी0, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली - 110066.
3. भूतपूर्व सचिव, लघु इकाई उद्योग एवं निर्यात संवर्धन, उ.प्र. सरकार, चौथा तल, सचिवालय, लाल बहादुर शास्त्री भवन (एनेक्सी), लखनऊ - 226001 या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
4. निदेशक (वित्त), वस्त्र मंत्रालय, भारत सरकार। उद्योग भवन, नई दिल्ली या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
5. विभागीय आयुक्त, विंध्याचल मंडल, मिर्जापुर, उत्तर प्रदेश।
6. जिला मजिस्ट्रेट और कलेक्टर - भदोही, उत्तर प्रदेश।
7. अध्यक्ष/कार्यकारी/निदेशक, कालीन निर्यात संवर्धन परिषद, द्वितीय तल, राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, नई दिल्ली - 1
8. अध्यक्ष, अखिल भारतीय कालीन निर्माता संघ, मर्यादपट्टी, भदोही।
9. कार्यकारी निदेशक, राष्ट्रीय डिजाइन केंद्र (एन डी सी) (वस्त्र मंत्रालय द्वारा स्थापित) हाल नं. 1, (तीसरा तल), राजीव गांधी हस्तशिल्प भवन, बाबा खड़क सिंह मार्ग, कनाट प्लेस, नई दिल्ली - 110001.
10. विभाग प्रमुख, वस्त्र प्रौद्योगिकी विभाग, आई आई टी, हौज खास, नई दिल्ली।
11. प्रो. एस. पी. बोरकर, डीन, (प्रशासनिक), वस्त्र निर्माता विभाग, वी जे टी आई, माटुंगा, मुम्बई
12. डा. राजेश कुमार, प्रोफेसर, स्ट्रक्चरल इंजीनियरिंग डिविजन, सिविल इंजीनियरिंग विभाग, आई. आई. टी. (काशी हिंदू विश्वविद्यालय), वाराणसी-5, उ.प्र. भारत।
13. अध्यक्ष, अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (अभातशिप), नई दिल्ली या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
14. उपकुलपति, डा. ए पी जे एके टी यू, लखनऊ, या उनके द्वारा नामांकित व्यक्ति।
15. मि0वाई के राय, मे0 काका ओवरसीज लि0, हरियांव, ज्ञानपुर रोड, भदोही - 221401
16. सीनियर फैंकल्टी/डीन/रजिस्ट्रार, आई आई सी टी - निदेशक द्वारा नामांकित।
17. प्रो0 आलोक कुमार, निदेशक, आई आई सी टी - भदोही - सदस्य सचिव
18. वरिष्ठ अतिरिक्त निदेशक/निदेशक, कार्यालय विकास आयुक्त (हस्तशिल्प), पश्चिम ब्लाक संख्या 7, आर. के. पुरम्, नई दिल्ली - 66.

वर्ष के दौरान, कार्यकारिणी समिति की सम्पन्न बैठकें

कार्यकारिणी समिति बैठक	वार्षिक सामान्य बैठक
65 वीं कार्यकारिणी समिति बैठक दि. 13.12. 2021 जूम एप पर	66 वीं कार्यकारिणी समिति बैठक दि. 16.03. 2022 नई दिल्ली में

31 मार्च 2021 तक की सभी अधिकारी व कर्मचारियों की सूची

क्र.सं.	अधिकारी/कर्मचारी का नाम	पद	योग्यता
1.	प्रो0 (डा0) आलोक कुमार	निदेशक एवं सदस्य सचिव	बी.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी.(आई आई टी. दिल्ली)
फैकल्टी			
2.	प्रो0 (डा0) सनत कुमार पाल	प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक., एवं पी.एच.डी.(एम एस यू-चंडोदरा)
3.	डा0 आर0 कर्मकर	एसोसिएट प्रोफेसर	बी.एफ.ए. एम.ए.(पेंटिंग) पी.एच.डी.(पूर्वांचल यूनिवर्सिटी-जौनपुर)
4.	डा0 आर.के.मलिक	एसोसिएट प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी.(एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
5.	डा0 एस.के.पांडे	एसोसिएट प्रोफेसर	एम सी ए, एम टेक (सीएस), एम बी ए., पी.एच.डी.(ए पी एस यू-सीवां)
7.	डा0 बेटी दासगुप्ता	सहायक प्रोफेसर	बी.एस.सी (टेक) पी.एच.डी. (आई आई टी.-बी.एच.यू)
8.	डा0 अणु मिश्र	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली)
9.	डा0 श्रवण कुमार गुप्ता	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक., पी.एच.डी. (एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
10.	डा0 मोमीता बेरा	सहायक प्रोफेसर,	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (आई आई टी. दिल्ली)
11.	डा0 अतानु मन्ना	सहायक प्रोफेसर,	एम.एस.सी.(जाधवपुर विश्वविद्यालय) पी.एच.डी. (आई आई टी. खड़गपुर)
12.	डा0 एच एस मोहापात्रा	सहायक प्रोफेसर	बी.टेक., एम.टेक.(आई आई टी. दिल्ली), पी.एच.डी. (एन.आई.टी. जालंधर)
12.	डा0 जयंत देशपांडे	पुस्तकालयाध्यक्ष	एम.कॉम., एम.लिब., पी.जी.डी.सी.एस.सी., पी.एच.डी.(सी.एम.जे.विश्वविद्यालय - मेघालय)
ईकाइ प्रभारी			
13.	श्री बी. सी. रे	कार्यशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), एम एच आर एम, एम ए.(पब्लिक एडमिनि.) एम आई ई, (एपीजेएकेटीयू लखनऊ)
14.	श्री चंद्र शेखर वाजपेयी	डिजाइन प्रयोगशाला प्रभारी	बी.एफ.ए. एम.एफ.ए. (टेक्सटाइल डिजाइन)(इ.क.सं.-का.हि.वि.वि)
15.	श्री दीपांकर जाना	रसायन प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), (आईकेजेपीटीयू-पंजाब)
16.	श्री अनुपम अग्रवाल	भौतिकी प्रयोगशाला प्रभारी	एम टेक (टेक्स. ईजी.), (आईकेजेपीटीयू-पंजाब)
प्रयोगशाला सहायक			
17.	श्री जयहिन्द चौहान	प्रयोगशाला सहायक	टेक्सटाइल प्रोसेसिंग टेक्नालॉजी में डिप्लोमा
18.	श्री अमिताभ चटर्जी	प्रयोगशाला सहायक	मेकेनिकल इंजिनियरिंग में डिप्लोमा
19.	श्रीमती प्रीती चौरसिया	प्रयोगशाला सहायक	हैन्डलूम टेक्नालॉजी में डिप्लोमा
20.	श्री गोविन्द यादव	प्रयोगशाला सहायक	बी.टेक.
21.	श्री दर्पण सिंह	कम्प्यूटरलैब सहायक	एम.सी.ए., एम टेक (सी एस. ई)
प्रशासनिक कर्मचारी			
22.	श्री सिद्धार्थ शुक्ला	प्रशा. एवं सुरक्षाधिकारी	बी.टेक.(सिविल इंजिनियरिंग)
23.	श्री दुर्गेश कुमार त्रिपाठी	लेखाधिकारी	एम. कॉम.
24.	श्री उमाकान्त श्रीवास्तव	प्रशासनिक सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
25.	मो0 वसीम अंसारी	पुस्तकालय सहायक	एम.बी.ए.(एच.आर.एम.)
अन्य कर्मचारी			
27.	श्री जगदीश	अकुशल श्रमिक	इन्टरमीडिएट
27.	श्री विजय कुमार गुप्ता	इलेक्ट्रिक टेक्नीशियन	आई टी आई (इलेक्ट्रिकल)

Faculty achievements

1- डा० रतिकान्त मलिक, एसोसिएट प्रोफेसर, डीन

1. एआईसीटीई के अटल एफडीपी में दिया गया व्याख्यान
विषय -ऊन में पर्यावरण अनुकूल प्रोसेसिंग पद्यति, दिनांक -4 जून 2021
2. वेस्ट विंग जर्मनी व्याख्यान: भारतीय कालीन उद्योग में सामान्य उत्पादन प्रवाह, 9 दिसंबर 2021
3. सस्टेनेबल ग्रस आर्गेनिक वूल, रिसाइकिल किया हुआ काटन, रिसाइकिल किया हुआ पालिऐस्टर पाइल यार्न के रूप में
10 दिसंबर 2021 को

2. डा० बेद्वी दासगुप्ता

1. एआईसीटीई, नई दिल्ली द्वारा 31 मई से 4 जून 2021 तक प्रायोजित परियोजना एआईसीटीई प्रशिक्षण और शिक्षण अकादमी (अटल) एफडीपी में समन्वयक "सतत प्रक्रियाओं में हालिया विकास" शीर्षक। आयोजित 5 दिनों की एफडीपी में भारत भर के 24 राज्यों के 200 छात्रों ने भाग लिया। वस्तुतः आई आई सी टी, भदोही में। अनुदान प्राप्त- 93000/- रुपये
2. वेस्ट विंग जर्मनी (6 घंटे) से 6 जर्मन नागरिकों के लिए कालीन निर्माण पर पाठ्यक्रम में समन्वयक। प्राकृतिक और सिंथेटिक लेटेक्स और कालीनों में इस्तेमाल होने वाले पाइल यार्न के प्रकारों पर व्याख्यान दिया। अनुदान प्राप्त हुआ- 18000 रुपये.
3. एस.के. गुप्ता और बी. दासगुप्ता, हैंड टपटेड ऊनी कालीनों का प्रदर्शन, जर्नल आफ द इंजीनियर्स संस्थान (भारत),
<https://doc.org/10.1007/s40034-021-00221-5>

3. डा० हिमांशु शेखर मोहापात्रा

1. हिमांशु शेखर मोहापात्रा और दीपांकर जाना, हाथ से गुच्छेदार कालीन में समय और रंग की सघनता के संदर्भ में लाइटन पाइल ऊंचाई की तीव्रता के प्रभाव का अध्ययन, टेक्सटाईल ट्रेन्ड, जनवरी, 2022.
2. हिमांशु शेखर मोहापात्रा, रेशम की बनावट के लिए विलायक और मोड़ के स्तर का अनुकूलन फिलामेंट, इंडियन जर्नल आफ नेचुरल फाइबर, वाल्यूम-7, नं. 2, जनवरी 2021, पृष्ठ 16-23.
3. हिमांशु शेखर मोहापात्रा, डेवेलपमेंट आफ फाइबर असेंबली फ्रॉम वेस्ट आफ साइट्स पील्स, इट्स एंटीआक्सीडेंट एंड एंटीबैक्टीरियल एक्टिविटी, इंडियन जर्नल आफ नेचुरल फाइबर, वाल्यूम 6, नंबर 1, जुलाई 2019, पृष्ठ 49-54.

3. डा० अतानू मान्ना

1. 'युवा गणितज्ञों के अंतर्राष्ट्रीय सम्मेलन' में भाग लिया (गणित संस्थान, एन ए एस यूकेन), 3-5 जून 2021।
2. सत्र 2020-21 में 'एआईसीटीई-एनआईटीटीई' पाठ्यक्रम 8 माइक्यूल सफलतापूर्वक पूरा किया।
3. 'अमेरिकन मैथ सोसाइटी' के सदस्य और 'इंडियन मैथ सोसाइटी' के आजीवन सदस्य बनें।

आई आई सी टी, अपने चार विभागों के माध्यम से कार्य कर रहा है :-

1. एच आर डी (मानव संसाधन विकास)
2. डीसीडी (डिजाइन निर्माण और विकास)
3. आर एंड डी (अनुसंधान और विकास)
4. टी एस आई (उद्योग को तकनीकी सहायता)

1- एच आर डी (मानव संसाधन एवं विकास), IIC PORTFOLIO

कालीन और वस्त्र प्रौद्योगिकी (सी टी टी) में बी. टेक पाठ्यक्रम :

वर्ष 2001 में शुरू किया गया। इसके बाद, कार्पेट टेक्नोलॉजी (एसीटी) / हेम टेक्स्टाइल टेक्नोलॉजी (एच टी टी) / टेक्स्टाइल डिजाइन टेक्नोलॉजी (टी डी टी) में एडवांस में विशेषज्ञता भी बी टेक में एकीकृत कर दी गई है। सी टी टी में नियत अनुमोदन के साथ एपीजे अब्दुल कलाम तकनीकी विश्वविद्यालय, (एकेटीयू) लखनऊ और प्रत्यायन संस्थान, मैनेचेस्टर, यू.के. द्वारा संस्थान को विश्वविद्यालय के दो बार स्टार प्रदर्शन करने वाले संस्थान से सम्मानित किया गया है।

अब तक 735 छात्रों ने संस्थान से स्नातक की उपाधि प्राप्त की है और पूरे भारत और विदेशों में कालीन और कपड़ा उद्योगों में अपनी सेवाएं दे रहे हैं। कई छात्रों ने आई आई टी, एन आई टी, आई एस एम, आई आई एम व निफ्ट जैसे संस्थानों में उच्च अध्ययन का विकल्प चुना है।

बी टेक छात्रों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान की जाती है। कई छात्रों को उनकी उत्कृष्टता के लिए स्वर्ण, रजत और कांस्य पदक से सम्मानित किया गया है। उनका शैक्षणिक प्रदर्शन नीचे दी गई तालिका से स्पष्ट है :

यूनिवर्सिटी के टेक्स्टाइल ग्रुप के टापर छात्र

बैच	छात्र का नाम स्वर्ण पदक	छात्र का नाम रजत पदक	छात्र का नाम कांस्य पदक
2006 - 2010	अंकित कुमार भगत		
2007 - 2011	निशा कुमारी	पारतजल कुमार	अनुपम अग्रवाल
2010 - 2014			सादिया मक्सूद
2011 - 2015	आमरीन फातिमा	गोविन्द यादव	
2014 - 2018	प्रिया सिंह		शिवांगी शुक्ला
2015 - 2019			गौरव सुनेजा
2016 - 2020			पल्लवी प्रिया
2017 - 2021	दिवंकल सुनेजा		आदर्श मिश्रा
2018 - 2022	अभिषेक यादव		जूही

परीक्षा परिणाम और प्रदर्शन

वित्तीय वर्ष 2021 - 22 के दौरान, 18 वें बैच (2018-22) के 35 छात्रों ने बी. टेक. परीक्षा पास की और सफलतापूर्वक स्थान प्राप्त किया व वित्तीय वर्ष 2021 - 22 के दौरान, 18 वें बैच (2018-22) के 35 छात्रों ने परीक्षा पास की और सफलतापूर्वक कार्य में स्थापित हुए।

सातवें सेमेस्टर में, 35 छात्र परीक्षा में शामिल हुए।

पाँचवें सेमेस्टर के 55 छात्रों को चौथे वर्ष (छठे सेमेस्टर) के लिए प्रोन्नत किया गया।

तृतीय सेमेस्टर के 67 छात्रों को तीसरे वर्ष (चौथे सेमेस्टर) में प्रोन्नत किया गया था।

और 31 नए छात्रों को प्रथम वर्ष में प्रवेश मिला।

बीटेक प्रथम वर्ष में प्रवेश

बी. टेक. प्रोग्राम में इंटेक 66 है, (+अतिरिक्त 03 सीट ई डब्ल्यू एस तथा 03 सीट टी एफ डब्ल्यू)। इसके लिए, यह दाखिला JoSAA (ज्वाइंट सीट एलोकेशन अथारिटी) / सीएसएबी(सेंट्रल सीट एलोकेशन बोर्ड) /यूपीएसईई के माध्यम से किया जाता है। जिसमें से 31 उम्मीदवारों ने उक्त आवंटन से प्रवेश लिया था।

ट्यूशन शुल्क

संस्थान के एसजीएम द्वारा अनुमोदित फीस संरचना निम्नांकित है :

बी.टेक. फीस संरचना:

Newly admitted B. Tech. 1 st year & 2nd year Lateral Entry, 2nd year, 3rd year, 4th year		
शुल्क मद	राशि (रु.)	
	होस्टेलर	नान- होस्टेलर
ट्यूशन फीस	55,000/-	55,000/-
होस्टल की फीस	15,000/-	
कॉशन मनी	5,000/-*	5,000/-*
विकास शुल्क	10,000/-	10,000/-
अन्य शुल्क	15,000/-	15,000/-
अल्यूमनी पंजीकरण शुल्क	1000/-*	1000/-*
मेस चार्ज	30000/-	-----
कुल	1,31,000/-	86,000/-

* नए प्रवेश के समय एक बार इन फीस का भुगतान किया जाता है

सत्र की शुरुआत

बीटेक के लिए 10 सितंबर, 2021 से नया सत्र शुरू हुआ। V व VII- सेमेस्टर कक्षाएं और बीटेक प्रथम और तृतीय सेमेस्टर कक्षाएं 12 सितंबर, 2021 से शुरू हुईं

अल्पावधि पाठ्यक्रम :

बी टेक प्रोग्राम के अलावा,आई आई सी टी विभिन्न रोजगारोन्मुखी पाठ्यक्रम आयोजित करता है, जो कि समाज को एक संपूर्ण सेवा प्रदान करता है। उपरोक्त प्रयास के समन्वय में 1138 व्यक्ति को आईएसडीएस के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है और 3500 कारीगरों को सीएचसीडीएस योजना के माध्यम से प्रशिक्षित किया गया है।

माझूलर रोजगार योग्य कौशल (एमईएस) आधारित कौशल विकास कार्यक्रम में कंप्यूटर और आईटी इन कारपेट मैनुफैक्चरिंग, कारपेट और टेक्सटाइल डिजाइन का उपयोग करते हुए सीएडी कालीन, यार्न डाइंग कालीन बुनाई, ऊनी सूत की कताई, कालीन की धुलाई और परिष्करण संस्थान द्वारा चलाया जा रहा है। कौशल अंतर को कम करने के लिए 7000 से अधिक कारीगरों को प्रशिक्षित किया गया है।

2. डी0 सी0 डी0 (डिजाइन क्रियेशन एण्ड डेवलपमेण्ट)



IICT PORTFOLIO

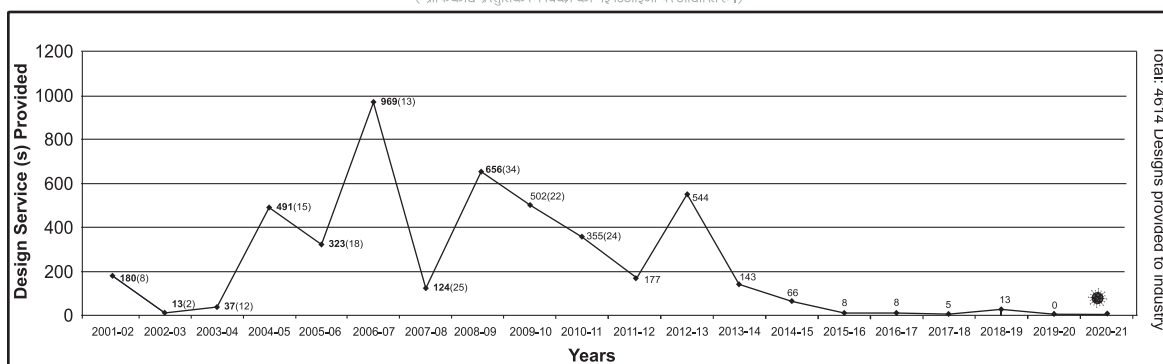
डिजाइन बैंक बनाया गया-

15000 से अधिक डिजाइन ऐसे हैं जिनमें से लगभग 3500 डिजाइनों का उपयोग व्यावसायिक उद्देश्य के लिए उद्योग द्वारा किया गया है। जिसमें 114 डिजाइन बैंक के तहत बनाए गए हैं डिजाइन बैंक की विविधता में पारंपरिक भारतीय रूपांकनों (जैसे: हड़प्पा, अजंता, मुगल, रंगोली, जयपुरी, फुलकारी, कांथा, पैठानी, कलमकारी, बनारसी, जामेवार आदि), आधुनिक रूपांकनों आदि का चलन है। किस्सी कालीन नमूनाकरण मशीन का उपयोग उद्योग द्वारा "18"x"18" आकार के प्रोटोटाइप नमूने विकसित करने के लिए भी किया जाता है।

बड़े पैमाने पर उद्योग आगे आए हैं और सलाह ली है और स्थानीय मूल्य पर डिजाइन बैंक, रचनात्मकता और वैश्विक मूल्य के विकास से लाभान्वित हुए हैं।

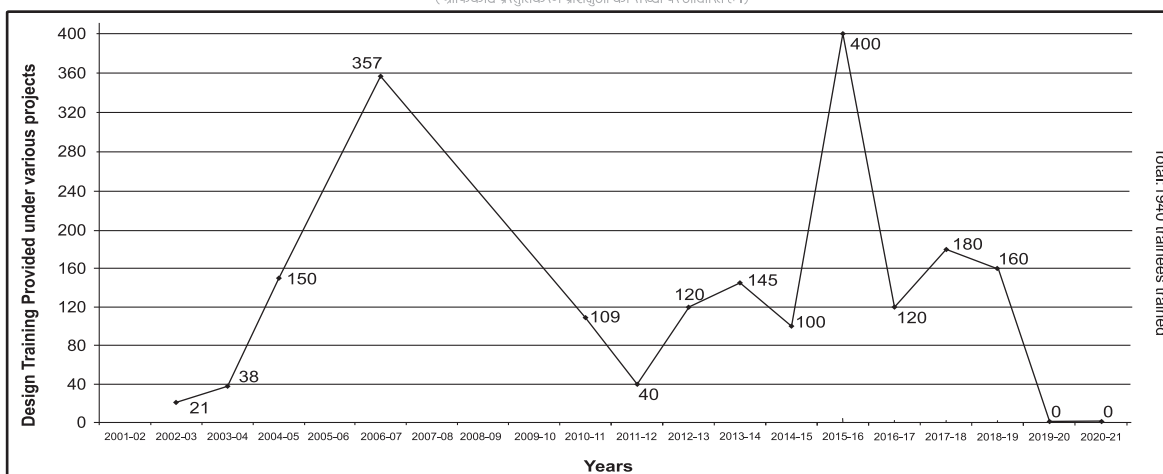
डिजाइन लैब सेवाएँ

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण बिक्री की गई डिजाइनों पर आधारित है।)



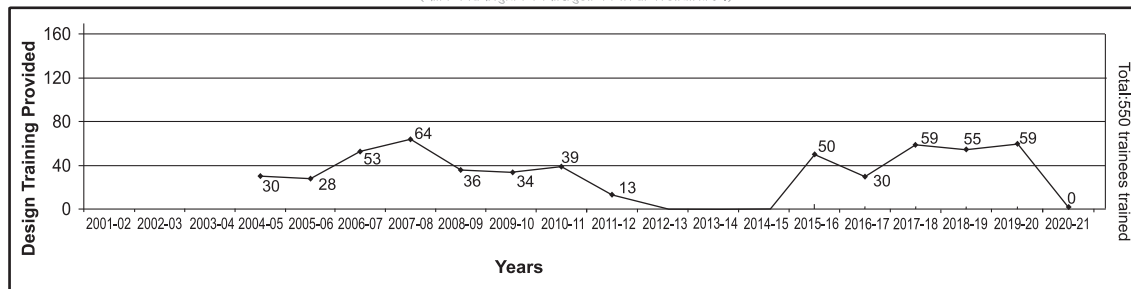
डिजाइन लैब द्वारा विभिन्न परियोजनाओं के अन्तर्गत प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित है।)



डिजाइन लैब द्वारा प्रशिक्षित प्रशिक्ष

(ग्राफिकीय प्रस्तुतिकरण प्रशिक्षुओं की संख्या पर आधारित है।)



NOVEL APPROACH TOWARDS ENERGY STORING SMART GARMENTS

स्मार्ट टेक्स्टाइल के सभी सेंसर, ड्राइव और अन्य इलेक्ट्रॉनिक घटकों में प्रदर्शन करने की शक्ति होनी चाहिए। लेकिन पारंपरिक शक्ति संचयन कठोर हैं और उनकी बड़ी सीमाएँ हैं। समस्या को हल करने के लिए, एक लचीला, हल्का, पोर्टेबल स्टोरेज डिवाइस विकसित करना आवश्यक है। सुपर कैपेसिटर एक उभरता हुआ ऊर्जा भंडारण उपकरण है जिसमें उच्च शक्ति घनत्व, कम चार्जिंग समय, उत्कृष्ट प्रतिवर्तीता और लंबे जीवन चक्र, ऊर्जा संरक्षण और इतने पर हैं।

उद्देश्य:

फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर विकसित करने का उद्देश्य ऊर्जा का निर्माण करना है। उत्कृष्ट प्रदर्शन को बनाए रखते हुए लचीलेपन के साथ भंडारण प्रणाली। यह आगे पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में उपयोग किया जा सकता है।

उद्देश्य/लक्ष्य	प्राप्त उद्देश्य/लक्ष्य
1) विविध धातु आक्साइडों का प्रयोग करते हुए कार्बन फाइबर आधारित सुपर कैपेसिटर डिवाइस को फैब्रिकेट करना।	इलेक्ट्रोड निर्माण के लिए धातु आक्साइडों के विभिन्न आदर्श संयोजन का अध्ययन किया गया।
2) विभिन्न प्रक्रियाओं के माध्यम से सतह को एक्टिवेट करना।	नैनो आर्किटेक्चर विकसित किये गए एवं हाईड्रोथर्मल डिपोजिशन द्वारा सतह को फेब्रिक सतह पर एक्टिवेट किया गया।
3) नमूनों का विश्लेषीकरण/निरूपण।	विभिन्न विश्लेषीकरण वर्णन तथा: मारफोलॉजिकल एवं इलेक्ट्रो केमिकल व्यवहार आदि किए गये।

भविष्य आउटलुक/लाभ

इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों के भविष्य में स्ट्रेचेबल सर्किट्री, इम्प्लांटेबल सेंसर और स्मार्ट स्किन के साथ पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स शामिल होने की उम्मीद है। उदाहरण के लिए, एक स्मार्ट त्वचा विभिन्न गतिविधियों और स्थितियों में लोगों का समर्थन करने के लिए मानव शरीर में स्वास्थ्य संबंधी डेटा और शारीरिक संकेतों की निगरानी के लिए आन-बाडी सेंसिंग की पेशकश कर सकती है। जैसा कि ऊपर बताया गया है, सुपरकैपेसिटर (एससी) ऐसी प्रणालियों के लिए ऊर्जा भंडारण उपकरण हैं। पहनने योग्य उपकरणों के लिए, फाइबर जैसे कैपेसिटर विशेष रूप से उपयुक्त होते हैं।

माना जाता है कि पहनने योग्य इलेक्ट्रॉनिक्स में संचार और स्वास्थ्य सेवा, सैनिकों, आपातकालीन कर्मियों, ऊर्जा संचयन आदि सहित क्षेत्रों में काफी संभावनाएँ हैं।

सुरक्षा कारणों से सामान्य सुपरकैपेसिटर और बैटरी कठोर धातु और ध्या प्लास्टिक आवास के अंदर सील कर दी जाती हैं। इस प्रकार, वे आमतौर पर आकार में बड़े, वजन में भारी और यंत्रवत् रूप से अनम्य होते हैं। इसके विपरीत, छोटे और लचीले प्राकृतिक या सिंथेटिक फाइबर को लंबे 1D यार्न में कटाई करके वस्त्रों का निर्माण किया जाता है, और यार्न को आगे 2D / 3D वस्त्रों में बुना या बुना जाता है। अधिकांश वस्त्र अत्यधिक लचीले होते हैं और झुकने या खिंचने के बाद आसानी से ठीक हो सकते हैं, वजन भी तुलनात्मक रूप से कम होता है।

क. उत्पाद विकास

काफी कुछ उत्पाद विकास गतिविधियों को संस्थागत स्तर पर और सहयोग से पूरा किया गया है जिसमें शामिल हैं:

- क्वायर आधारित कालीन
- रेशम का कालीन
- एरी रेशम कालीन
- मोडार्कैटिक आधारित कालीन
- हस्तनिर्मित एस्ट्रोटेफ प्रकार का कालीन
- प्राकृतिक फाइबर आधारित कालीन
- प्राकृतिक रंगाई
- पालिएस्टर सैगी के लिए विकल्प
- बुजबुन उत्थान
- वर्टिकल ब्लाइंड
- क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क

केरल का क्वायर बोर्ड, कोच्चि के सीसीआरआई, एलेप्पी द्वारा समर्थित एक और क्रांतिकारी अनुसंधान, क्वायर सिल्क के लिए जारी है। प्रतिष्ठित रेशम विनिर्माण सह के साथ वाणिज्यिक स्टेज परीक्षण। (ग्रासिम एंड सेंचुरी रेशम) ने चलाया जा रहा है। मूल्य वृद्धि से नारियल उत्पादकों को फायदा होगा और देश के केरल, तमिलनाडु जैसे नारियल उत्पादन गहन राज्यों में क्वायर पेपर और क्वायर सिल्क उत्पादन के लिए औद्योगीकरण का समर्थन किया जाएगा।
- मेक इन इंडिया मिशन के पूरक पर एक मालिकाना कदम - उद्योग को आगे आने और तलाशने के लिए।

• पीपीई कवरआल

(बाडी सूट और शू कवर)

पीपीई कवरआल (बाडी सूट और शू कवर) दो श्रेणियों में विकसित हुए- डिस्पोजेबल (280 ग्राम) और पुनः प्रयोज्य (300 एनएम)। इसे टेक्नो-केम इंडस्ट्रीज के साथ साझेदारी में विकसित किया गया है। डिस्पोजेबल के मामले में और पुनः प्रयोज्य पीपीई कवरआल में पालिएस्टर पर नान वोवेन कपड़े पर एक विशेष कोटिंग किया जाता है। अब तक विकसित पीपीई सूट सांस लेने योग्य नहीं हैं। इसलिए वे सहज नहीं हैं। नव विकसित उत्पाद श्वसन योग्य और हल्के वजन के हैं, इसलिए आरामदायक हैं। यह MoHFW की कठोर आवश्यकता को पूरा करता है और इसलिए डाक्टरों, नर्सों और अन्य पैरामेडिकल स्टाफ के लिए सिफारिश की जाती है।



Disposable



Reusable

• रेशेदार कचरे का पुनर्चक्रण और पुनः उपयोग कालीन उद्योग

कालीन उद्योग के अपशिष्ट में ऊन, जूट, पालिएस्टर, नायलॉन आदि जैसे फाइबर शामिल होते हैं। ज्यादातर अपशिष्ट फाइबर को जमीन भरने में भेज दिया जाता है, जो मिट्टी के प्रदूषण को बढ़ाता है। इन अपशिष्ट तंतुओं को पुनर्नवीनीकरण किया जा



सकता है और कई तकनीकी रेशेदार संरचनाओं को विकसित करने के लिए पुनः उपयोग किया जा सकता है। कालीन अपशिष्ट के साथ अभिनव उत्पाद की खोज में, कालीन अपशिष्ट और असंतृप्त पालिएस्टर राल के साथ हाथ से छंटनी तकनीक द्वारा मिश्रित सामग्री तैयार की गई थी। फाइबर और मैट्रिक्स का अनुपात विभिन्न उपयोग, आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए बदल दिया गया था। संस्थान ने दो उत्पाद विकसित किए। जब मैट्रिक्स प्रतिशत को समग्र में उच्च रखा गया था, तो उत्पाद को लकड़ी के प्रतिस्थापन के रूप में उपयोग किया गया था। इसी तरह, जब कंपोजिट में फाइबर का प्रतिशत अधिक रखा जाता था, तो उत्पाद को ध्वनिक सामग्री के रूप में इस्तेमाल किया जाता था।

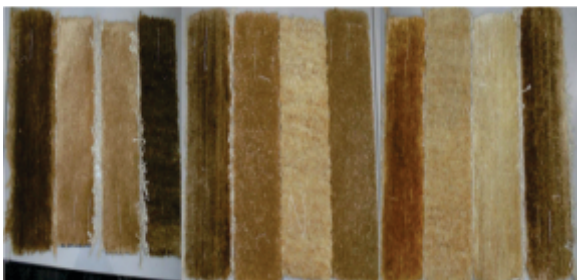
• अपशिष्ट कालीन से हीलिंग पैड का निर्माण और मूल्यांकन

अपशिष्ट ऊलेन हैंड नॉटेड और हैंड टफटेड, सभी 100 ऊनी फाइबर से बने विद्युत रूप से प्रवाहकीय द्वारा बनाया गया था। पॉलीमराइजेशन रिएक्शन होने से पहले, हस्तनिर्मित और हाथ से बने टफटेड कालीनों की हाइड्रालिसिस सामग्री पर पालीपाइरोल के बेहतर चित्रण के लिए की गई थी। हैंड नाटेड और हैंड टफटेड कार्पेट के लिए क्रमशः सतह की औसत प्रतिरोधकता 1013.08 और 1234.12 माइक्रोन पाइ गई है। यह पीठ दर्द से पीड़ित लोगों के लिए हीलिंग पैड के रूप में इस्तेमाल किया जा सकता है।



- हस्त निर्मित कालीन में जूट सामग्री का प्रयोग

इस शोध में, फ़ारसी तख़्त से बने कालीन और पाईल कालीन में जूट के ढेर के प्रयोग पर एक अध्ययन किया गया है। हस्त निर्मित कालीनों में पाईल यार्न के रूप में तीन प्रकार के वाणिज्यिक यार्न (ऊन, अनुपचारित जूट और वूलोनाइज्ड जूट) के साथ-साथ तीन प्रकार के रासायनिक उपचारित जूट यार्न (हाइड्रोजन पेरोक्साइड ब्लिच, नरम ब्लिच और वूलैनिन यार्न) लगाए गए हैं। हस्तनिर्मित कालीनों के लागत लाभ विश्लेषण से पता चलता है कि जूट यार्न को ढेर के रूप में उपयोग किए जाने पर कुल लागत का सामग्री योगदान घट जाता है।



रवः प्रौद्योगिकी उन्नयन

कालीन उद्योगों में उपयोग की जा रही तकनीक को ग्रेड देने के लिए आई आई सी टी द्वारा सहायनीय प्रयास किए गए हैं। ये हैं :-

- एर्गोनोमिक और लचीले की अवधारणा टपिंग फ्रेम
- क्रास बार हार्जिऑन्टल लूम CBHL (लकड़ी) या मेटल का) हैंड नाटेड और तिब्बती, झबरा, सौमक आदि।



Weavers enjoying the comfort while working in CBHL

- इंडिया नाट : आई. आई. सी. टी. का एक कापी राइट जो करघे पर सेमी नॉट लगाने की अनुमति देता है मेक इन इंडिया मिशन का पूरक है. उद्योग आगे आने और तलाशने के लिए।



• स्नेहभा कार्पेट बैंकिंग सिस्टम:-

पालीमर बैंकिंग टेक्नोलॉजी लाइट वेट वाशेबुल रिपोर्टेड इट्स फीचर एण्ड फिजिबिलिटी इन पब्लिकेशन्स लाइक कार्पेट इ वर्ल्ड



• कार्प कास्ट साफ्टवेयर

संस्थान द्वारा नकल रहित कार्पकास्ट का विकास किया गया है। जो कि सी० डी० के रूप में हस्तनिर्मित कालीनों की लागत गणना के लिए प्रयोग हेतु उपलब्ध है। साफ्टवेयर को और अधिक उपयोगी बनाने के कार्य में संस्थान लगा हुआ है एवं उद्योगों के सहयोग मद्देनजर साफ्टवेयर की कीमत रु25,000/- से घटाकर रु5000/- कर दिया गया है।



कन्टिन्युअस टपिंग फ्रेम

टपटेड कार्पेट के लिये उपयुक्त

यह एक मैनुअल टपिंग प्रक्रिया है। जिसे हथ से संचालित या इलेक्ट्रिक टपिंग गन का उपयोग कर बड़ी लंबाई के लिए, कन्टिन्युअस कालीन डिजाइन रिपीट के लिए है।

इसमें विशेषताएं हैं जैसे कि:

- आरम्भदायक काम के माहौल के साथ फ्रेम की ऑनोमिक डिजाइन
- इसमें प्राइमरी बैकिंग क्लाय की एक रोलर द्वारा लगातार आपूर्ति की जाती है।
- बैकिंग क्लाय गाइड के लिए स्पाइक चैन डिवाइस का चौड़ाई के साथ विस्तार
- क्लियर रोलर से हैल्ड वील द्वारा बैकिंग क्लाय कालम्बवत विचांव
- ट्रेसिंग पेपर का उपयोग करके एक साथ डिजाइन मुद्रण या ब्लॉक प्रिंटिंग का वैकल्पिक उपयोग।
- माथमिक नेट के साथ एक साथ लेटेक्स बैकिंग।
- सौरइन्वर्टर द्वारा गर्म हवा से सुखाने वाली प्रणाली (वैकल्पिक)।
- 200 फुट लंबाई तक क्षमता के साथ कालीन एम्पावर रोलर।
- कालीन उत्पादन की बेहतर गुणवत्ता लगभग प्रति 200 वर्ग इंच प्रति घंटे प्रति बुनकर



मैकेनाइज्ड दरी लूम

फ्लोरल डिजाइन की दरी बिनाइ के लिए उपयुक्त

मशीन की विशेषताएं:

हस्तनिर्मित कालीन बुनाई के लिए यह ऊर्ध्वाधर दरी हेतु यह एक बेहतर कालीन डिजाइन करता है।

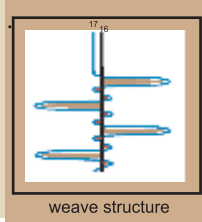
- वाइनिंग बाँबिन से हैक के लिए व्यवस्था
- आरम्भदायक कमरे के माहौल में बड़ी लंबाई की वापिंग की व्यवस्था
- तीन फिट के गुणक चौड़ाई में डिजाइन की बुनाई के लिए मैकेनिकल जैकार्ड
- घागे से घागे के बीच का अन्तर और सटीक चौड़ाई समायोजन
- पंजा से बढ़िया टुकाई के लिए पूरी चौड़ाई
- कालीन रोलर पर ज्यादा लपेटने की क्षमता
- ऑनोमिक डिजाइन से बुनकरों को थकान से राहत।



लीनो कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त

यह लिनो संरचना के साथ पाइल कालीन का एक ब्राड लूम है। बेहतर टपट विद्यझवल फोर्स के लिए खड़ी संरचना। कलर स्ट्राइप्स, छोरों की क्षैतिज पंक्ति के कट या लूप, उत्पादन के बाद एम्बासिंग या प्रिंटिंग लिनो कालीनों पर डिजाइन तकनीक भारत में कालीन क्षेत्र के लिए हस्तनिर्मित कालीन को फिर से स्थापित करना है।



जैकार्ड कार्पेट लूम

पाइल कालीन के लिए उपयुक्त



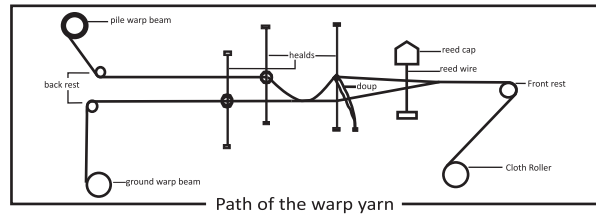
विशेषताएं।

यह फ्लोरल पाइल कालीन डिजाइनों के लिए हथकरघा हेतु एक विकास है।

- पाइल कालीन में लूप / कट संरचना हेतु 2, 3, 4 या 5 रंगों की डिजाइन के लिए उपयुक्त
- इसमें मैकेनिकल जैकार्ड द्वारा नियंत्रित तानी का शेड द्वारा तानी सम्मिलन करके पाइल बनाई गई हैं
- प्रत्येक रंग पाइल यार्न के लिए 200 क्रील क्षमता।
- सूती तानी बीम से हैल्ड शाफ्ट द्वारा नियंत्रित होते हैं
- जेकवार्ड और हैल्ड शाफ्ट के लिए शेडिंग पांव द्वारा पैडल संचालित।
- वेफ्ट पिकिंग के लिए शटल हथ द्वारा संचालित।
- 36 इंच चौड़ाई के लिए 6 पाइल प्रति इंच के लिए बनाया गया है
- कालीन, 3-4 एनएम ऊनी पाइल यार्न के लिए उपयुक्त।
- मैनुअल कट प्लेट का उपयोग करके कार्ड काटने के अंतर्हीन डिजाइन तैयार किए जाते हैं।
- बुनित कालीन के विभिन्न गुणवत्ता हेतु पाइल का उत्पादन विभिन्न मोटाई के तारों 1/4 से 3/4 इंच द्वारा
- दूरदराज के प्राकृतिक गांवों में छोटे बुनकरों के लिए हस्तकला तकनीक है

टेरी लेनो पाइल संरचना

में बुने कालीन का विकास



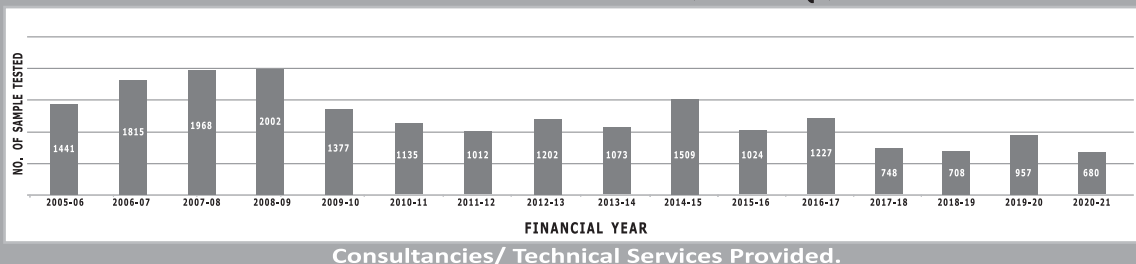
विशेषताएं

- हथकरघा पर तैयार कालीन।
- इस विशेष हथकरघा में टेरी और लिनो की दोनों तकनीकें हैं।
- हार्ड टपट विद्यझवल फोर्स, टेरी-लिनो प्रौद्योगिकी के साथ निर्मित कालीन में हैं
- कट पाइल और लूप पाइल दोनों प्रकार के कालीन तैयार किए जा सकते हैं।

आई आई सी टी प्रयोगशाला

संस्थान वैश्विक बाजार के साथ अपनी जरूरतों को पूरा करने के लिए यांत्रिक और रसायन के विषयों में अपनी प्रयोगशाला के माध्यम से उद्योग को निरंतर तकनीकी सेवाएं प्रदान कर रहा है। ये प्रयोगशालाएँ एनएबीएल से मान्यता प्राप्त हैं इसलिए परीक्षण रिपोर्ट अंतरराष्ट्रीय स्तर पर स्वीकार्य हैं। कालीन उद्योग ने अंतरराष्ट्रीय और राष्ट्रीय खरीदारों की आवश्यकता की पूर्ति करने के लिए उपलब्ध सुविधाओं का उपयोग किया है। कुल आय अर्जित करने के साथ आई आई सी टी प्रयोगशाला द्वारा कुल 662 नमूनों का परीक्षण किया गया है। वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान ₹.7,78,059 / राजस्व अर्जित किया गया। उद्योग अपने व्यावसायिक प्रदर्शन को बढ़ाने के लिए परामर्श के लिए आई आई सी टी के विशेषज्ञों की की सेवा ले सकते हैं।

4. उद्योग को तकनीकी सहयोग (टी.एस.आई.)



कालीन बन्धु सदस्यों की सूची (31.03.2021 तक)

1. में0 भोला नाथ इण्टरनेशनल, वाराणसी।
2. में0 सहारा कस्तूरी हैण्डिकाफ्ट्स, लखनऊ।
3. में0 जया श्री टेक्सटाईल्स, रिसरा।
4. में0 टैग ब्रदर्स, नई दिल्ली।
5. में0 ए0बी0सी0 इण्डस्ट्रीज, मीरजापुर।
6. में0 पीयरलेस कारपेट पैलेस, भदोही।
7. में0 जी0 एस0 एल0 टेक्सटाईल इन्डिया प्रा0 लि0, लुधियाना।
8. में0 कान्सेप्ट क्रिएशन्स, पानीपत।
9. में0 ग्लोस्टर जूट मिल्स लि0 कोलकाता।
10. में0 जयपुर रग्स कं0 प्रा0 लि0, जयपुर।
11. में0 पटौदिया एक्सपोर्ट्स, भदोही।
12. में0 एन्टीक आर्ट एक्सपोर्ट्स प्रा0 लि0, नोएडा।
13. में0 समारा कारपेट्स (प्रा0) लि0
14. में0 वेलोसिटी यार्न (प्रा0) लि0 (एसोसिएट सदस्य)
15. में0 चम्पो कारपेट्स, भदोही।
16. में0 कलरटेक इण्डस्ट्रीज (प्रा0) लि0
17. में0 काका कारपेट्स, भदोही।

नोट : 1 व 13 आजीवन सदस्य हैं।

❖ संस्थान ने योग्य एवं रुचि रखने वाले उद्योगों /व्यक्तियों को संस्थान का सदस्य बनाने हेतु 'कालीन बन्धु' मंच तैयार किया है। कोई भी इसका आजीवन अथवा सहयोगी सदस्यता कमशः ₹0 50,000/- अथवा ₹0 4,000/- देकर पा सकता है।

अन्य

- ♦ प्राकृतिक रेशो द्वारा निर्मित जमीन आवरण कालीन
- ♦ प्राकृतिक रंगों का अनुप्रयोग
- ♦ उत्पाद/कार्य विविधिकरण

इच्छुक व्यक्ति/समूह विस्तृत जानकारी हेतु संपर्क करें।

आई आई सी टी : मानव संसाधन एवं विकास, डिजाइन रचना एवं विकास, अनुसंधान एवं विकास, मार्केटिंग, एवं तकनीकी विकास योजनाओं के अंतर्गत विभिन्न परियोजनाओं में भी शामिल हैं, योजनाओं को कार्यालय विकास आयुक्त(हस्तशिल्प) नई दिल्ली द्वारा प्रायोजित, वित्तीय वर्ष 2021-22 के दौरान निम्नलिखित परियोजनाएं चल रही थी।

संस्थान में चल रही परियोजनाओं का विवरण (सरकार द्वारा प्रायोजित)

क्रम स.	परियोजना का नाम	संदर्भ व अनुमोदन की तिथि/परियोजना की लागत रु./द्वारा समन्वित	योजना /फंड की स्थिति
IICT-1	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर (पूर्व) कालीन पट्टी में,	I-15011/9(1)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	Utilization Certificate has been submitted but reimbursement is still awaited.
IICT-2	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट (श्री कोटारत)	I-15011/9(2)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-3	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (लोन करणसर)	I-15011/9(3)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-4	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (नोवा)	I-15011/9(4)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-5	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर, कालीन बेल्ट, (खाजवाला)	I-15011/9(5)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-6	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर (पश्चिम), कालीन बेल्ट,	I-15011/9(7)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19, dt. 18.05.2018, Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-7	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (मीनासर)	I-15011/9(6)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1554 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-8	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (गंगाशहर)	I-15011/9(8)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1543 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-9	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (बंगालनगर)	I-15011/9(9)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1575 dt. 15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-10	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम बीकानेर कालीन बेल्ट, (कानिसार)	I-15011/9(10)/NR/HTP/ST/HRD/2018-19/1565 dt.15.11.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-11	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण पंचखेड़ा बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-12	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम पंचखेड़ा बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-I dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-13	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तुलसीपुर बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-II dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-14	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम तुलसीपुर बलरामपुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-III dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-15	श्रावस्ती बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-IV dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-16	श्रावस्ती बलरामपुर (एसटी कारीगरों) में एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम	I-15011/9(12)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19-V dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-18	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम रोहतक हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-14	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जाँद हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19 dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-19	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम भिवानी, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(16)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19-VI, dt. 03.12.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-20	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम मेहम, जाँद, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(21)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-21	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जूलां, भिवानी, हरियाणा (SC कारीगर)	I-15011/9(22)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-22	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम मिंदल, रोहतक, हरियाणा (एससी कारीगर)	I-15011/9(23)/NR/SC/HTP/HRD/2018-19, dt. 22.02.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey,	
IICT-23	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम पादरी, मिर्जापुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(18)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	50% received grant has been refunded to O/o DC (HC) due non completion of project under various project
IICT-24	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम उसरा, मिर्जापुर (एसटी कारीगर)	I-15011/9(19)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-25	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम ओबरा, सोनभद्र (एसटी कारीगर)	I-15011/9(20)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-26	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम जंगीगंज, भदोही (ST कारीगर)	I-15011/9(21)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-27	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम खमारिया, भदोही (एसटी कारीगर)	I-15011/9(22)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-28	एक हस्तशिल्प तकनीकी प्रशिक्षण कार्यक्रम चोपन, सोनभद्र (एसटी कारीगर)	I-15011/9(23)/CR/ST/HTP/HRD/2018-19, dt. 01.03.2018 Rs. 10.11 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-29	डिजाइन और क्राफ्ट स्कूल की स्थापना (आडियो, विजुअल माइन लैंग्वेज लैब)	C-11011/27/DCS/IICT(UP)/2018-19/ Infra dt. 25.03.2018 Rs. 14.90 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	
IICT-30	IICT, भदोही में डिजाइन बैंक की स्थापना	C-11011/28/DB/IICT(UP)/2018-19/ Infra dt. 25.03.2018 Rs. 14.90 Lakhs, Dr. S.K.Pandey	Infrastructure & Tech. Support

अद्यतन नियुक्ति (प्लेसमेंट अपडेट)

नियुक्ति संचालन हमारे संस्थान का एक अभिन्न अंग है, क्योंकि यह छात्रों को प्रसिद्ध और सम्मानित संगठनों में रोजगार पाने के अवसरों को प्रदान करता है। संस्थान ने अपनी भर्ती प्रक्रिया 2021-22 के सितम्बर माह में प्रारम्भ की थी। अंतः परिसर भर्ती जिसमें वेलस्पन वापी, आर एस डब्ल्यू एम, भीलवाड़ा, इंडिया पोस्ट, आचल अमित एण्ड कं०, आगरा, बी व्ही, नोएडा, कारवा स्पीनिंग पानीपत, स्पोर्ट किंग, गंगा डिजाईन, डब्ल्यू आर ए, वर्धमान, राजेश कारपेट्स, भदोही, गीमाटेक्स नागपुर, सैफ कारपेट्स, भदोही, सैन्सबरी, गुड़गांव आदि सम्मिलित थे।

शैक्षणिक वर्ष 2021-22 में आई0आई0सी0टी0 के निवर्तमान छात्रों का अद्यतन नियुक्ति

उद्योग- नियुक्ति उद्योग का नाम/ छात्रों की संख्या	ब. उच्च शिक्षा/ स्वरोजगार
छात्रों की कुल संख्या : 24 अब तक नियुक्त : 22 (जाब व उच्च शिक्षा) : 02	
वेलस्पन वापी : 2 आर एस डब्ल्यू एम, भीलवाड़ा : 5 इंडिया पोस्ट : 1 आचल अमित एण्ड कं०, आगरा : 1 बी व्ही, नोएडा : 1 कारवा स्पीनिंग पानीपत : 1 स्पोर्ट किंग : 1 गंगा डिजाईन : 1 डब्ल्यू आर ए, वर्धमान : 1 राजेश कारपेट्स, भदोही : 2 गीमाटेक्स नागपुर : 1 सैफ कारपेट्स, भदोही : 2 सैन्सबरी, गुड़गांव : 1 बीकानेर कारपेट्स : 1	आई0आई0टी0 रुड़की, : 2



Ramesh Bhanu Pratap Singh Varma, Hon'ble Minister of State, Ministry of Micro, Small & Medium Enterprises, Govt. of India visited IIGT on 18.09.2021

भा का प्रौ सं

संस्थान में पधारे आगन्तुक

2021-22 के दौरान कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हमारे संस्थान का दौरा किया। और प्रबुद्ध संकाय, स्टाफ के सदस्य और छात्र।

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
29/7/21	Neeraj Kumar Anya DFO Bhadohi	IIC T is doing very good job for encouraging women all the Best for future. <i>May</i>
30.7.21	Aryake Hemaraj DFO, Bhadohi	It is a matter of great pride that Bhadohi boasts of its own method of carpet technology. amazed to see the intricate technology behind carpet manufacturing. My best wishes for all future endeavors of IIC T. <i>Aryake</i>
18.08.21	PRABHAKAR TRIPATHY DIG, CRPF -AMETHI	Visited Indian Institute of Carpet technology today. It's an abode of art-infusion working very efficiently under able guidance of Dr. Alok Kumar, Director. faculties are very knowledgable. I wish them my best wishes. <i>Prabakar</i>
18/9/21	भानु प्रताप सिंह वर्मा Minister of MSME Gov. of India 9452305477-PS 9415055465	I.I.C.T आप आप में एक कार्पेटिप संस्थान है जो जो creation से समर्थि उच्च कौशल का संस्थान है। जिसका मैं सभी कार्पेटिपि, D.C. डिप्टेक्ट लवरी प्रोफेसरो को शुक्राभिनार्थि दि के इसी प्रकार राजगार के सुप्रसर डिजाइन व लवरी डिजाइन के द्वारा करत रहेंगे। <i>Prabakar</i> 18.9.2021

भा का प्रौ सं

संस्थान में पधारे आगन्तुक

2021-22 के दौरान कई प्रतिष्ठित हस्तियों ने हमारे संस्थान का दौरा किया। और प्रबुद्ध संकाय, स्टाफ के सदस्य और छात्र।

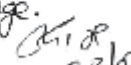
आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
02/12/2021	Nasser Najam New Delhi 110015	It has been a great pleasure and honour to have a chance to visit the GGC - Bhadohi. Mr. Datta has given a wonderful view of the institute and has been a great guide to show us around all the facilities that the institute has. I feel a great sense of honour to be able to visit the institute which is one of its kind not just in India but in the world. Thanks to Prof. Dr. Kumar for the chance. Thanks to the team at GGC and all the best for the future. Kind regards Nasser Najam
15/12/2021	RK Bhardwaj, D.G. Raje, Mirzapur	It is a pleasure to visit India's only premier institute in Carpet Technology. The visit was a learning experience. I wish best for the future. R. Bhardwaj
22/12/21	Dr. Ashwari Pandey, 50m Bhadohi	I am very grateful to you sir that you provide me the opportunity to come this prestigious institution. My best wishes are always with this institution. 22/12/21 Ashwari Pandey
23/12/21	Nidhi Khare Additional Secretary, Dept. of Consumer Affairs.	I am extremely grateful to the organization that took great pride in showing me its activities. The students were full of enthusiasm and so were the faculty. Best wishes & keep innovating! 23/12/21 Nidhi Khare
28/01/2022	Dr. Rajesh Kumar Pandey DSC, Bhadohi (Lect. DPT Ayazpur Bhadohi) 945282781	It is great pleasure to visit GGC with several students of DPT and it is great venture of learning and teaching as a unit. I am thankful for this work. R. K. Pandey

भा का प्रौ सं

संस्थान में पधारे आगन्तुक

आगन्तुकों के नाम एवं टिप्पणियां उनके द्वारा लिखित भाषा में यथावत् हैं।

दिनांक	आगन्तुक का नाम एवं पता	टिप्पणी
18/2/21	Assistant Prof. Sachin Jain (Kashi Institute of Technology) Mob. 8317048031	it is really great experience to visit in IITK. the every person meet with us very helpful in solution, very connecting by heart. del. are thanking in you. to give it the New vision for IITK. 
23/02/2022	Dr. Mohan Lal Yadav IAS Election Observer, Bhadoi	The Institute is well maintained. Staff is excellent in in-depth knowledge.  23/02/2022